डॉ. अनिल भण्डारी, 30/1, आर.एस. भण्डारी मार्ग, इन्दौर - 452003 (म.प्र.) फोन - 2536440/43.

संक्षिप्त परिचय

Website : www.anilbhandari.org

ऐसा हमेशा से मान्य है कि व्यक्ति के नाम अथवा जन्म से ज्यादा उनके कर्म उनकी पहचान बनते हैं। स्वयं की अभिलाषाओं को छोड़कर यदि कोई व्यक्ति अपना सम्पूर्ण जीवन दूसरों के लिए सोचने में न्यौछावर कर दे तो वह निश्चित ही सभी के लिए श्रद्धा के पात्र होंगे।

डॉ. अनिल भण्डारी भी इन्हीं गिने चुने व्यक्तियों में से एक हैं। चाहे वो रोगियों को दवाई वितरण का कार्य हो, छात्रों को शिक्षा सम्बंधी मदद उपलब्ध करवाना, ऐतिहासिक धरोहर का पुर्ननिर्माण, प्राकृतिक आपदाओं में विशेष सहायता, खेलकूद, प्रकृति, औद्योगिक अथवा सांस्कृतिक गतिविधियाँ, डॉ. अनिल भण्डारी ने अपने जीवन पर्यत कार्यों से सिद्ध किया है कि एक व्यक्ति द्वारा किए गए योगदान लाखों लोगों की ज़िंदगी संवारने में सक्षम है।

14 जनवरी 1962 को इन्दौर में जन्मे डॉ. अनिल भण्डारी ने विज्ञान में स्नातक की डिग्री देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से प्राप्त की। हाल ही में डॉ. भण्डारी ने पीएचडी भी की है। तद्उपरांत स्टीम बॉइलर निर्माण की अपनी पैत्रक कम्पनी का भार संभाला। परंतु युवा एवं उत्साही डॉ. भण्डारी के जीवन में और भी महत्वाकांक्षाएं थी। मानव कल्याण से जुड़ी सेवाएं करने को तत्पर उन्होंने सर्वप्रथम 'सहायता' नामक संस्था का गठन किया. डॉ. भंडारी 18 वर्ष की उम्र से ही सेवा कार्य कर रहें हैं.

'सहायता', समाज के सेवानिवृत्त एवं अनुभवी चिकित्सकों के कार्य कौशल का लाभ लेने, व्यर्थ को पुन: उपयोग में लाने तथा जनभागीदारी द्वारा जनहित के लिए राशि जमा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया एक अनूठा एवं प्रेरणादायी प्रयास है। यह सिर्फ गरीब एवं ज़रूरतमंदों को चिकित्सा सहायता ही नहीं देता, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट के निर्माण हेतु गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्यवर्धक एवं पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराता है जिससे वे स्वस्थ शिशु को जन्म दे सकें। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े 1,400 बिस्तरीय चिकित्सालय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय इन्दौर के विशाल परिसर में 1988 में **'सहायता'** का गठन किया गया। जरूरतमंदों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा, इस संगठन के वर्तमान में **26शाखाएं** विभिन्न शहरों के सरकारी चिकित्सालयों में कार्यरत् है। 'सहायता' गरीबों, असहाय, जरूरतमंदों के लिए ऐसी चिकित्सीय सेवाएं, दुर्लभ मार्गदर्शन की व्यवस्था कर रही है, जो वर्तमान आर्थिक संकट के दौर में इन वर्गों के लिए महज एक सपना है। समर्पित कर्मशील, नवयुवकों सा उत्साह लिए 500 से अधिक सेवाभावी सेवानिवृत्तमानो व नवयुवकों की टीम 'सहायता' संस्था से जुड़ी है जो प्रतिदिन अपना समय मानव सेवा के लिए निःस्वार्थ समर्पित करते हैं। **प्रतिदिन 14,000** से अधिक रोगियों को मदद करती 'सहायता' प्रतिमाह **40 लाख** के करीब राशि एकत्रित करती है लेकिन प्रतिमाह सहायता दी जाती है **₹4.0 करोड़** के करीब। यह इसलिए क्योंकि संस्था द्वारा शहर के स्थापित चिकित्सकों से प्राप्त 'सेम्पल दवाईयाँ जिनका बाज़ार मूल्य करीब **₹1.5 करोड़** है, **90,000** रोगियों में वितरित की जाती है। जो एम.आर.आई. जाँच बाज़ार में **5,500/-** में होती है 'सहायता' उसे मात्र **₹2,500** में उपलब्ध कराती है। सीटी स्केन एवं अन्य जाँचे भी रियायती दरों पर उपलब्ध है।

इसके अलावा 1500 गरीब गर्भवती महिलाओं को छह माह तक लगातार उच्च प्रोटीन युक्त आहार भी दिया जाता है । इसमें गर्भावस्था के दौरान माता व गर्भ में पल रहे शिशु दोनों को स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। यह सेवा कर 'सहायता' हर बच्चे पर देश का करीब **₹20-25 लाख** रूपया बचाता है जो अन्यथा गरीब परिवार में जन्में अस्वस्थ बच्चों के इलाज व असमर्थता को दूर करने में खर्च होते। **25 लोकल एन.जी.ओ.** में मुफ्त दवाईयां उपलब्ध करवायी. वरिष्ठ नागरिकों के लिए डेकेअर रीक्रीयेशन सेन्टर की स्थापना की, जहां लायब्रेरी, योगा, एक्टीवीटी हॉल, स्वास्थ संबंधित लेक्चर आदी की निशुल्क सुविधाएं प्रदान की जाती हैं. सोने के सिक्के देने की योजना के अंतर्गत **10,000 परिवारों** को परिवार नियोजन में सम्मिलित करने की पहल की गई. साथ ही वर्ष 2015-16 में कुल रु. 50.0 लाख की राशि महाराजा यशवंत राव अस्पताल के कायाकल्प हेतु सहयोग किया गया. लगभग 450 किडनी पैशेंट की नि:शुल्क डायलिसिस प्रति माह करवाई जाती हैं.

प्रथम एवं द्वितीय कोविड-19 महामारी के दौरान सदाचार समिति, सहायता एवं अन्य संस्थाओं की मदद से डॉ. अनिल भंडारी ने प्रवासी श्रमिकों और दैनिक मजदूरों को **8,00,000 खाने के पैकेट और 7000 राशन किट्स** वितरित किए, साथ-ही-साथ दिन-रात सेवा में लगे डॉक्टरों एवं नर्सों को भी **3,00,000 से ज्यादा केक्स और बिस्किट्स** का वितरण वितरण किया गया, डॉ. भंडारी ने एक उच्च-प्रोटीन आहार का वितरण किया, जिसके परिणामस्वरूप इंदौर के एक नियंत्रण क्षेत्र में 320 सक्रिय मामलों की संख्या 0 हो गई। इंदौर में डॉ. भंडारी द्वारा **50 वेंटिलेटर, 4000 पीपीई किट्स, 25000 मास्क** और अन्य चिकित्सा उपकरण जैसे ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटर एवं सिलेंडर साथ ही डॉ. भंडारी द्वारा प्रतिरोधात्मक शक्ति बढाने हेतु **2,00,000 लोगों को होम्योपैथिक दवाइयॉ** भी वितरित की गई.

इन्दौर 100% प्रतिशत **टीकाकरण अभियान** के **समन्वयक** के रूप में सरकार के साथ **4 माह** में 100% हॉसिल किया।

संसद सेवा संकल्प, इंदौर के संयोजक डॉ. अनिल भंडारी ने **550 स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों** की फीस की व्यवस्था की. ये वो विद्यार्थी हैं जिन्होंने कोविड के कारण अपने परिवार के कमाने वाले सदस्य को खो दिया. फीस का कुल प्रभाव **लगभग 3 करोड है.**

संयोजक के रूप में गरीब मरीजों के लिए **20 डायलिसिस मषीन, 20 थैलेयसीमिया बेड, ब्लड बैंक और पैथोलॉजी के रेड क्रॉस स्वास्थ्य केंद्र** का भुभारंभ किया।

संयोजक के रूप में, आईएमसी के सहयोग से रेड लाइट सिग्नल पर वाहनों को बंद करने की परियोजना पर काम किया। **इससे एक्यूआई में 70-80 अंक तक** की भारी कमीं की।

आईएमसी के साथ समिति के संयोजक के रूप में, **वर्षा जल संचयन को अपनाने के लिए 2 लाख भवन** को बढ़ावा दिया।

इसी दिशा में किया गया एक और सराहनीय प्रयास है इन्दौर में **5 सहायता दवाखानों** की स्थापना जो 2007 में की गई। इन दवाखानों का स्थान इस प्रकार चुना गया है कि वे शहर में किसी भी जगह से 3 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर न हो। यह दवाखाने गरीबों को मुफ्त चिकित्सा परामर्श, दवाइयाँ, सहायता, उपचार एवं पौष्टिक आहार प्राप्त कराने हेतु शहर में अहम भूमिका निभा रहे है। इन दवाखानों पर इन्दौर के अनेक सेवानिवृत एवं अनुभवी चिकित्सक अपनी सेवा दे रहे हैं तथा यहाँ **प्रतिदिन 1000 मरीजों** का इलाज किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क दवाईया एवं चिकित्सकों के साथ चलित स्वास्थ्य केन्द्रों की शुरूआत की गई.

डॉ. भंडारी नियामित रुप से नशा मुक्ति हेतु सेमिनार एवं मेराथन का आयोजन कराते रहें हैं. जिला अस्पताल, इन्दौर में **4 डायलिसिस मशीनो** के माध्यम से डायलिसिस सेंटर स्थापित किया जिसमें प्रतिदिन **25 मरीजो का ईलाज** होता है. **सिंहस्थ 2016**, उज्जैन के दोरान 8 अस्पतालों के माध्यम से दवा वितरण किया गया जिससे **80,000** से अधिक मरीजोंको 1 महीनें में दवा दी गई.

ग्रामीण क्षेत्रो के विकास हेतु डॉ. भंडारी सक्रीय समन्वयक के रूप में जिला पंचायत इन्दौर के प्रमुख योजनाओं से जुड़े हुए है. इसके अंतरगत जिले में **270 से अधिक तालाबों** का गहरीकरण किया गया जिससे वर्षा जल अधिक मात्रा में संग्रहीत हो सके एवं जमीन का जल स्तर बढ़ सके साथ ही खुदाई में निकली हुई मिटटी को किसानों ने अपने खेतों में उपयोग किया जिससे उनके फसल की पैदावार बढ़ेगी. एक अन्य योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के **1000 से अधिक शा. स्कूलों में पुस्तकालयों** की स्थापना की जा रही है जिसमे सैकड़ों पुस्तकें होगी जिससे की छात्रों का ज्ञान वर्धन होगा.

विगत पाँच वर्षों से 'सहायता' द्वारा **प्लास्टिक सर्जरी शिविर** का भी आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर अमेरिका के प्रख्यात प्लास्टिक सर्जन **पद्मश्री डॉ. शरद कुमार दीक्षित** एवं **डॉ. सतीश व्यास** द्वारा जरूरतमंद ग्रामीणों के लिए प्रायोजित किया जाता है। पिछले **21 वर्षों** में **5800** से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों के रोगी इन शिविरों का लाभ ले चुके हैं। प्रतिवर्ष अंधत्व निवारण हेतु 6-7 शिविर भी संस्था द्वारा आयोजित किए जाते हैं, जिसके अंतर्गत इन्टा-ऑकुलर लेन्स का प्रत्यारोपण निःशुल्क किया जाता है। संस्था द्वारा इन्दौर जिले को मोतियाबिंद मुक्त बनाने की जिम्मेदारी ली गई है जिसके अंतर्गत विभिन्न अस्पतालों में शिविर आयोजित करके **वर्ष 2000 में लगभग 1700 सफल ऑपरेशन** किए जा चुके है। निःशुल्क दवाई वितरण, जाँच कार्य, रक्तदान, पौष्टिक आहार वितरण एवं विशेष चिकित्सा शिविर के साथ संस्था ने निःसंदेश श्रद्धायुक्त सेवाभावना, परमार्थ एवं परोपकार से परिपूर्ण मानवीय कर्तव्यों की पहल की है।

वर्ष 1994 से डॉ. अनिल भण्डारी ने वाइस प्रेसिडेंट रहते हुए अपनी लगन और परिश्रम से, सेवाधाम आश्रम, उज्जैन को एक नई पहचान दी है. सेवा , प्यार और करूणा की निःस्वार्थ भावना से आश्रम ने 650 बेसहारा बुज़ुर्ग, अनाथ बच्चें, मानसिक और शारीरिक रोगी, लकवाग्रस्त / केसर / एड्स से पीड़ित मरीज़ और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को आश्रय एक साथ दिया जाता हैं. आश्रम में अभी तक हज़ारों लोगों को सहारा दिया गया हैं, जिसको डॉ. अनिल भण्डारी ने निःस्वार्थ भाव से निभा रहें हैं.

एक विशिष्ट अभियान जिसका दायित्व डॉ. भण्डारी द्वारा लिया गया है, वह है प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ितजनों की सहायता। उड़ीसा में आए भयावह तूफान के समय दल का नेतृत्व करते हुए डॉ. भण्डारी द्वारा **22 ट्रक** भरकर सहायता सामग्री भेजी गई जिसमें दाल, चावल, कम्बल, कपड़े, तारपोलिन, दवाईयाँ व अन्य आवश्यक सामग्रियाँ सम्मिलित थे, जिनका बाज़ार मूल्य **₹3 करोड़** है। सिर्फ़ यही नहीं डॉ. भण्डारी सहित दस सदस्यों ने **उड़ीसा में ग्यारह दिन** रहकर रोज रात्रि 3 बजे तक अपने हाथों से सेवाएं दी। उन्होने अपने दल के साथ हर दिन 18 घंटे काम कर विपदाग्रस्त लोगों को चिकित्सा एवं अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराई। इसी के साथ क्षतिग्रस्त घरों के निर्माण के लिए सहायता राशि एवं सामग्री का भी इन्तज़ाम किया गया। सहायता कार्य एवं सेवा कुल **130 गाँवों** में प्रदान की गई।

गुजरात के हृदय विदारक भूकम्प के समय भी डॉ. भण्डारी ने अपने दल के साथ जिसमें **17 वरिष्ठ डॉक्टर्स** शामिल थे, वे 27 जनवरी से 2 फरवरी, 2001 तक गुजरात के भूकम्पग्रस्त क्षेत्रों में रहे एवं **₹30 लाख मूल्य की चिकित्सकीय सहायता** उपलब्ध कराई। उनकी यह पहली गैर सरकारी संस्था थी जिसने सर्वप्रथम भूकम्प पीड़ित क्षेत्रों में पहुँच कर **23 गाँवों** के लोगों की सेवा की। सिर्फ यही नहीं, डॉक्टर्स एवं मेडिकल स्टाफ की सहायता से उन्होंने 2 स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किये जिसमें भूकम्प पीड़ितों के उपचार हेतु **6000 चिकित्सा समाधान** भी उपलब्ध कराए गए। खास तौर पर भुज एवं गांधीधाम, जिसमें भयावह भूकम्प के फलस्वरुप सर्वाधिक हानि हुई थी, डॉ. भण्डारी अपने दल सहित वहाँ पहुँचे एवं सहायता शिविर लगा कर पीड़ितों की सेवा की। इस सहायता योजना के दूसरे चरण में उनके नेतृत्व में **सवा करोड़** की लागत के 7 चिकित्सालयों का निर्माण किया गया जिससे गुजरात के **140 गाँवों की करीब 2 लाख आबादी** को सहयोग प्राप्त हुआ। समाचार-पत्र दैनिक भास्कर द्वारा भी गुजरात में किए जा रहे कार्यों का समन्वय एवं दायित्व डॉ. भण्डारी को सौंपा गया जिसके अंतर्गत उन्होंने 100 से अधिक दिन गुजरात में रहकर **2.5 करोड़ की लागत से 180 स्कूलों** का निर्माण किया। उनकी सामयिक सेवा के कारण आज कई अपना जीवन हँसी खुशी बिता रहे हैं।

सहायता बैनर के तले 18 डॉक्टरों की टीम भक्ति वेदांता हॉस्पिटल से भुकंप सहायता प्रोजेक्ट के लिए नेपाल (काठमांडू) पहुँची। टीम द्वारा भुकंप पीड़ितों हेतु चिकित्सा शिविर लगाकर करीब **5,000 पीड़ितों** को सेवाएँ प्रदान की गई और साथ ही आपदाग्रस्त क्षेत्रों में करीब **1 करोड़** मूल्य की दवाइयाँ भी वितरित की गई।

डॉ. भण्डारी ने अपने समर्थकों के साथ **सुनामी त्रासदी पीड़ित** लोगों की सहायता हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जन भागीदारी द्वारा इस पुनीत कार्य के लिए राशि जमा करके सही वक्त पर सही लोगों तक पहुँचाया। पीड़ितों को सांतवना देने तथा उनका मनोबल बढ़ाने के साथ साथ **10 ट्रक चावल, 5 ट्रक कपड़े,** खाद्य सामग्री आदि उपलब्ध कराई।

वर्ष 2003 से भण्डारी चेरिटेबल टस्ट के अंतर्गत **महावीर मेडिकल इक्विपमेंट बैंक** की निम्न शाखाएं इन्दौर, देवास, भोपाल, रायपुर, विदिशा,औरंगाबाद, जबलपुर, ग्वालियर, हरिद्वार, भिन्ड, उज्जैन,बैतूल , सिरोंज, पुणे (चिंचवड़) एवं रतलाम में खोली गई हैं. जिनमें इन्दौर में दो शाखाएं हैं एवं अन्य शहरों में एक ही शाखा है. **50 लाख की लागत** से शुरू इस बैंक में जो लोग घर पर इलाज हेतु विभिन्न उपकरणों जैसे -व्हील चेयर, मेडिकल बेड, ऑक्सीज़न सिलेंडर आदि का खर्च उठाने में असमर्थ हैं, उन्हें **आसान लोन** पर चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे. देश को प्रगतिशील और गतिशील बनाने के लिए डॉ. भण्डारी (सेक्रेटरी संचालन समिति) ने हाल ही में **सुप्रीम कोर्ट और हाई-कोर्ट के सेवानिवृत जजों की नेशनल कॉन्फ्रेंस** का आयोजन किया. जहाँ पर्यावरण, मीडिया और न्यायपालिका पर सेमिनारों में **सामाजिक कार्यो द्वारा राष्ट निर्माण में जजों की भूमिका** पर चर्चा की गई.

इन्दौर गौरव फाउंडेशन द्वारा एक महाकाय योजना का दायित्व भी लिया गया- इन्दौर की प्राचीन धरोहर **राजवाड़ा का जीर्णोद्धार।** प्राकृतिक एवं मानविक आपदाओं के कारण इस ऐतिहासिक सम्पत्ति ने अपनी छवी दो दशक पहले खो दी। उस खोई हुई गरिमा को पुनः लाने के लिए संस्था ने अथक प्रयास किए ।

15 अगस्त 2013 को डॉ. अनिल भण्डारी ने **मेडि हेल्पलाईन सेवा** की शुरूआत की। इस टोल फ्री सेवा की मदद से ज़रुरतमंदों को चिकित्सक सेवाओं तथा प्रदेश एवं केन्द्र सरकार के सभी स्वास्थ्य संबंधित परियोजनओं की जानकारी मुफ्त में प्रदान की जाती है।

यह पहली ऐसी गैर सरकारी संस्था है जिसे पुरातत्व विभाग (म.प्र.) द्वारा जीर्णोद्धार का कार्य सौंपा गया। **₹ 1.25 करोड़** की लागत वाला यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया है तथा इसमें कार्यरत लोगों का पूरा प्रयास है कि यह ऐतिहासिक इमारत पुनः अपनी प्राचीन छवि एवं शान प्राप्त कर ले। इस कार्यक्रम की लोकप्रियता एवं सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें **100% जनसहयोग** प्राप्त हुआ तथा इन्दौर निवासी पूरे उत्साह के साथ इस महाकार्य में रुचि ली। सिर्फ यही नहीं, राजवाड़ा जीर्णोद्धार के इस महान कार्य को **'अमेरिकन कॉंक्रीट सोसायटी'** द्वारा अंतर्राष्टीय सम्मान भी प्राप्त हुआ।

इन्दौर गौरव फाउंडेशन के महासचिव के रूप में डॉ. भण्डारी ने ही सर्वप्रथम ''इन्दौर गौरव महोत्सव'' की पहल की। तीन दिनी इस उत्सव का आयोजन इस उद्देश्य से किया गया था कि विदेशों में बसे इन्दौरवासी जिन्होंने अपना बचपन यहाँ गुजारा वे अपनी मातृभूमि के करीब आ सके एवं कुछ पल अपने बीते दिनों को याद कर सके। विदेशों में बसे **170 भारतीय नागरिकों** का सम्मान फाउंडेशन द्वारा किया गया। निरंतर चल रहे विकास कार्य के अंतर्गत इन नागरिकों द्वारा भी अपने शहर को ₹50 लाख की राशि एवं तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

इन्दौर स्थित 60 वर्ष पुराना **देवी अहिल्या पुस्तकालय** का जीर्णोद्धार, इंदौर गौरव फाउंडेशन द्वारा पूर्ण किया गया एक और उत्तम प्रयास है। **₹ 1.25 करोड़** लागत की यह परियोजना, इस पुस्तकालय को राष्टीय पुस्तकालय के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत पुराने भवन का जीर्णोद्धार, नये सभागृह, आर्ट गैलरी तथा अध्ययन कक्ष का निर्माण एवं विभिन्न विषयों पर आधारित नई पुस्तकों को पुस्तकालय में उपलब्ध कराना आदि कार्य शामिल हैं।

डॉ. अनिल भण्डारी एक अलग तरह की अवधारणा विचार लेकर आए जिसके अन्तर्गत **डॉ. नारायण भाई देसाई** ने महात्मा गांधी के जीवन एवं कार्यो पर प्रकाश डाला। पाँच दिवसीय **बापू कथा** नामक इस कार्यक्रम में रोजाना 5000 लोगों ने उत्साह से भाग लिया और युवाओं को प्रेरणा मिली। **महात्मा गाँधी के 150 वीं जयंती** के अवसर पर डॉ, भंडारी ने कॉलेजों में 5 राज्य–स्तरीय कार्यशालाएँ और 70 सेमिनार भी आयोजित किए।

युनिवर्सल पीस एंड सोशल डेवलपमेंट सोसायटी के महासचिव डॉ. अनिल भण्डारी की अगुवाई में इस संगठन ने एक 3 दिवसीय अंतर्राष्टीय सम्मेलन **'गांधी पीस डिसआर्ममेंट एंड डेवलपमेंट'** का अक्टूबर 2013 में इन्दौर में आयोजन किया। इस सम्मेलन में यूएस, एसएएआरसी तथा यूरोप जैसे 25 देशों से लोगों ने हिस्सा लिया। इसके अंतर्गत सेमिनार/पब्लिक मीट्स इत्यादि करवाए गए। गाँधीजी के 150वें जन्मदिवस के अवसर पर बताया गया कि उनके सिद्धांतों का जीवन में अनुसरण करना अत्यंत आवश्यक है।

मेधावी छात्रों की सहायता के लिए डॉ. भण्डारी द्वारा **HELP – हायर एजुकेशन लाइब्रेरी प्रोजेक्ट** संस्थान का गठन किया गया। यह एक ऐसी महत्वकांक्षी योजना है जिसके तहत मेडीकल एवं इंजीनियरिंग के जरूरतमंद महाविद्यालयीन स्नातक छात्रों को पूरे सत्र के लिए पुस्तकें निःशुल्क प्रदान की जाती है। संस्था की स्थापना 1995 में की गई। शुरूआत में इंजीनियरिंग एवं मेडीकल छात्रों को निःशुल्क पुस्तक वितरित की गई। **23 जुलाई 1998** को संस्था द्वारा एम.जी.एम. मेडीकल कॉलेज, इन्दौर में **एक रीडिंग रूम एवं इंटरनेट सेवा** की शुरूआत की गई। शुरु से लेकर अब तक, इस प्रोजेक्ट से **20,000 से अधिक विद्यार्थी** लाभान्वित हो चुके हैं।

भविष्य में और भी कई छात्रोन्मुखी विकास कार्यों को करने के लिए संकल्पित डॉ. अनिल भण्डारी के ध्येय वाक्य को जीवंत कर रहे हैं- उनकी सहायता करना जो अपने परिश्रम, बुद्धिमत्ता एवं इच्छाशक्ति के बल पर ज्ञान पाने की इच्छा रखते हैं।

सदाचार समिति नामक संगठन के अध्यक्ष के रूप में डॉ. भण्डारी ने कई वर्षों से बिना एक भी दिन अवकाश लिए भोजन पैकेट वितरण का कार्यभार संभाला है। मार्च 1989 में प्रारम्भ इस योजना से कई जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक भोजन दिया गया है। इस एक व्यक्ति के सेवाभाव के कारण ही लगभग **4000 भोजन पैकेट** गरीबों में प्रतिदिन बाँटे जाते हैं। सिर्फ यही नहीं उन्होंने विभिन्न संस्थाओं के **6,500 गरीब लोगों** की सहायता भी की जाती है जिसके अंतर्गत उनकी खाद्य संबंधि जरूरतों को हर माह अन्न एवं अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करा कर पूरा किया जाता है। **25 गैर–सरकारी समाजसेवी संस्थाओं** को भी भोजन की सुविधा प्रदान की गई।

इन्दौर डेवेलपमेंट सोसायटी, जिसकी स्थापना डॉ. भण्डारी द्वारा 1994 में की गई थी, ने भी जरूरतमंदों की ज़िन्दगी में अपनी विशेष पहचान बनाई है। यह संस्था गरीबी रेखा से नीचे स्थित लोगों को ओपन हार्ट सर्जरी, किडनी टांसप्लांट व अन्य प्रमुख सर्जरी जिनमें बहुत पैसा लगता है, के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस सेवा द्वारा अब तक **1000 से अधिक सामयिक सर्जिकल ऑपरेशन्स,** जिसमें हर ऑपरेशन के लिए **₹ 1 लाख से अधिक** की राशि लगती है, सफलतापूर्वक पूरे किये जा चुके हैं। इस दौरान डॉ. भण्डारी ने मरीजों के लिए आवश्यक चिकित्सा सामग्री जैसे ख़ून, दवाईयाँ आदि उपलब्ध करा कर एक बार फिर अपनी सहृदयता का परिचय दिया।

''ज़िन्दगी सिर्फ दुख और दर्द तक ही सीमित नहीं। यह बहुत ही अनमोल है तब भी जब आपके पास केवल एक ही किडनी हो''। **म.प्र. किडनी फाउंडेशन** द्वारा इस संदेश का प्रसार उन लोगों के लिए आयोजित स्पोर्ट्स वीक में किया गया जिन्होंने अपनी एक किडनी का दान किया है या किसी से प्राप्त की है। डॉ. भण्डारी के नेतृत्व में इस संस्था की स्थापना वर्ष 1996 में की गई तथा वर्तमान में डॉ. भण्डारी यहाँ प्रेसिडेन्ट का पद सम्भाले हुए हैं। यह संस्था किडनी संबंधी समस्याओं एवं किडनी दान के लिए लोगों में जागरुकता पैदा करती है। स्कूल, कॉलेज एवं शिक्षण संस्थानों में **हर माह औसत 4 शो,** झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों में चिकित्सा एवं चेकअप हेतु विशेष शिविर, नियमित जनजागरण कार्यक्रम तथा स्पोर्ट्स वीक का आयोजन-इस संस्था द्वारा संचालित ऐसे सभी कार्यक्रमों में म.प्र. की आम जनता को किडनी संबंधी बिमारियों एवं उनसे किस तरह लड़ा जाए, इस दिशा में ज्ञान वर्धन करने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ. भण्डारी **वर्धमान सेवा केन्द्र** के जनरल सेक्रेटरी के रूप में भी 1999 से डॉ. भण्डारी गरीब **टी.बी. के मरीजों** को दवाईयाँ आदि उपलब्ध कराते हैं, महंगी दवाईयाँ खरीदने हेतु वित्तीय रुप से सक्षम नहीं हैं। इस तरह के **10000 से अधिक मरीजों** को जीवन रक्षक दवाएँ अब तक दी जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त गर्भवती महिलाओं को हाई प्रोटीन डाईट, जो उनके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, इस संस्था द्वारा प्रदान की जाती है। साथ ही यह संस्था, सरकारी एम.वाय. चिकित्सालय, इन्दौर में लोगों को डग से मुक्ति दिलाने हेतु एक डग डीएडिक्शन सेन्टर का भी कार्यभार संभाले हुए है।

अच्छे भाव से किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता - इस तथ्य को डॉ. भण्डारी द्वारा कई बार प्रमाणित किया जा चुका है, जो निरंतर जरूरत मंदों की जिन्दगी को बेहतर बनाने एवं उनके चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए प्रयासरत हैं। इस कड़ी में उन्होंने हाल ही में **'मेगा हेल्थ केम्प'** आयोजित किया जिसमें **3 दिन तक निःशुल्क** इन्दौर जिले के गरीब एवं निम्न वर्ग के **25,000 से भी अधिक मरीजों** का उपचार किया गया । डॉ. भण्डारी जो कि इस कैम्प के मुख्य समन्वयक थे, ने अपने साथियों के साथ मिलकर, सांसद द्वारा पारित प्रस्ताव जिसमें एक ब्लॉक के लिए ₹8 लाख का हेल्थ कैम्प आयोजित किया जाना था, का विस्तार किया। कलेक्टर एवं उनके दल ने विभिन्न गैर सरकारी संस्थानों, नर्सिंग होम्स, प्रायवेट वरिष्ठ डॉक्टर, केमिस्ट एसोसिएशन, पैथोलॉजी लेब्स एवं अन्य की सहायता से सिर्फ एक ही ब्लॉक के लिए नहीं बल्कि पूरे जिले में उपस्थित 4 ब्लॉक्स के लिए मेगा हैल्थ कैम्प आयोजित किया। इस कैम्प का बाज़ार मूल्य **₹1 करोड़ 80 लाख** आंका गया जो प्रारंभिक राशि ₹8 लाख से कहीं अधिक था। इसके अंतर्गत 300 डॉक्टर्स एवं 400 की संख्या वाले पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से 25,000 से अधिक जरुरतमंदों का उपचार किया गया, **21,000 से अधिक लोगों को निशुल्क चिकित्सा** दी गई, 2,500 से अधिक एक्स-रे किये गये, 1,800 सोनोग्राफी व विभिन्न चिकित्सालयों में 500 छोटे ऑपरेशन्स, **6,000 अन्य इंवेस्टिगेशंस** तथा 52 गरीब मरीजों का ओपन हार्ट सर्जरी के लिए चयन किया गया। इनमें से 28 मरीजों का ऑपरेशन अब तक सफलता पूर्वक हो चुका है तथा शेष का आने वाले 1-2 महिनों में किया जाना है। इस हेल्थ कैम्प की भव्य सफलता यह साबित करती है कि जहां ज़रूरतमंदों को सच्चे मन से सहायता देने का विचार तथा समर्पण है, वहाँ कुछ भी असंभव नहीं।

उन्होंने **3 दिवसीय हेल्थ कैम्प** का आयोजन किया। इस कैम्प में **800 अपाहिज विद्यार्थीयों** जिसमें मूक एवं बधिर, दिमागी रुप से अविकसित, दृष्टिहीन एवं शारीरिक रुप से असहाय आदि शामिल थे, को आवश्यक चिकित्सा एवं उपक्रम प्रदान किए गए। इसी तरह के एक अन्य **5 दिवसीय कैम्प** को डॉ. भण्डारी के नेतृत्व में हाल ही में पूरे इन्दौर जिले के लिए आयोजित किया गया जिसका लाभ कुल **6,000 ज़रूरतमंदों** द्वारा लिया गया। इसके अंतर्गत **452 ट्राइ सायकल, 350 कैलीपर्स, 325 सुनने के उपकरण** तथा **45 पहिया कुर्सियाँ** अपाहिजों को वितरित की गई, साथ ही इन्दौर के प्रायवेट हॉस्पिटल्स की मदद से **450 सर्जरीज** भी सफलतापूर्वक पूरी की गई। इन दोनों कैम्प्स की सफलता के लिए जरूरी सहयोग, इन्दौर के समाज कल्याण विभाग, डॉक्टर्स, सरकार एवं अनेक गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा जुटाया गया। डॉ. भण्डारी के नेतृत्व में यह दोनों महान सामाजिक कार्य थे जिनके फलस्वरुप अनेक निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों की जिन्दगी में आशा की एक नई किरण पैदा हुई.

रेड क्रॉस सोसइटी-आर्ट ऑफ डायगोनेस्टिक सेंटर का आरंभ किया, जहां रियायती दरों पर गरीब मरीजों को एम आर आई, सिटी स्केन, पैथॉलाजी एवं ब्लड बैंक की सुविधा दी जाएगी.

सी.ई.पी.आर.डी. के अतंर्गत डॉ. भण्डारी ने **5 दिवसीय Environment conservation lecture series 2010-2018** का आयोजन भी किया. सी.ई.पी.आर.डी. के वाईस चेयरमेन का पद ग्रहण करने के पश्चात डॉ. भण्डारी ने पर्यावरण संरक्षण संबंधित कई प्रोजेक्ट पर कार्य किया जैसे - वृक्षारोपण, एनर्जी बचाने के विभिन्न विकल्प, जल संरक्षण. इस क्षेत्र में डॉ. भण्डारी वर्ष 2000 से निरंतर कार्यरत है. विश्व पर्यावरण के उपलक्ष्य में, लोगो में जागरुकता लाने के उद्देश्य से पानी, उर्जा और प्लास्टिक संरक्षण से संबंधित 8 पन्नों की बुकलेट की 1 लाख कॉपियाँ विवरित की गई। साथ ही डॉ. भण्डारी ने म.प्र. सरकार के लिए एजुकेशन और सिटी मास्टर प्लान का गठन भी किया।

इन्दौर शहर को सम्पूर्ण रुप से हरा-भरा बनाना डॉ. भण्डारी का हमेशा से सपना रहा है। इसके तहत डॉ. भण्डारी **'द ग्रीन इन्दौर मूवमेंट'** में मुख्य संचालक के रुप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। यह पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट विभिन्न वर्गो के लोगों की सहायता लेकर **5 लाख पौधे** लगाने का अपना लक्ष्य पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध है। इससे प्रदूषण कम करने एवं शहर में एक स्वस्थ वातावरण पैदा करने में निश्चित रुप से सहयोग मिलेगा।

एम.पी. दृष्टिहीन कल्याण संघ एवं नेशनल ब्लाईड एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. भण्डारी द्वारा 125 ब्लाइन्ड बच्चों का आवासिक स्कूल एवं 160 कॉलेज के बच्चों की संस्था चलाई जाती है. इनहोने टी 20 दृष्टिहीन क्रिकेट विश्व कप का भी आयोजन किया गया था, 17 फरवरी को इन्दौर के होल्कर स्टेडियम में भारत बनाम इंग्लैंड का मैच खेला गया व जिसका आनंद 25000 से ज़्यादा विद्यार्थियों ने लिया.

इंदौर गौरव फाउंडेशन द्वारा कृष्णपुरा छत्री के जीर्णोद्धार का कार्य भी आरंभ किया गया। ये प्रसिद्ध स्मारक छत्रियाँ इन्दौर शहर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। जीर्ण-शीर्ण होते इस प्राीचन स्मारक के जीर्णोद्धार में डॉ. भंडारी द्वारा जनता की सहायता से बगीचे, बाउंडीवाल, केमिकल क्लिनिंग, पेटिंग वर्क, लाइटिंग जैसी सुवधिाओं हेतु करीब 1 करोड़ व्यय किए गए है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की इन्दौर शाखा द्वारा इनके न्यूज लेटर में भी इस प्रोजेक्ट की जानकारी भी साझा की गई है।

समाज के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उन्होंने हमेशा ऊर्जा संरक्षण हेतु आम जनता एवं उद्योगों को प्रोत्साहित किया है। इनके साथ ही उनके द्वारा **नेशनल इंस्टीट्यूट फोरम फॉर एनर्जी (NIFE)** के महासचिव के रूप में **160 से अधिक सेमिनार्स एवं वर्कशॉप्स** का राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन किया गया है।

उन्होंने कई एनर्जी क्विज़ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जिससे पर्यावरण संरक्षण के संदेश का प्रसार करने में काफी हद तक सहायता मिली। USA की प्रतिष्ठित रॉकफेलर फाउन्डेशन के आमंत्रण पर वर्ष 2009 एवं 2010 में डॉ. भण्डारी ने **वियतनाम** में हो रही कानॅफ्रेंस में इन्दौर विजन 2025 के विषय पर पेपर प्रस्तुत किया. इसमे उन्होने एनर्जी, स्वास्थ, वातावरण में हो रहे बदलाव, और इन्दौर शहर के विकास से जुडे विषयों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किये. डॉ. भण्डारी ने विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता **डॉ. सुब्बा राव** का राष्टीय युथ कैम्प इन्दौर में आयोजित किया.

वे **दीपचंद भाई गार्डी चैरिटेबल टस्ट, मुम्बई** के साथ भी वर्ष 1995 से जुड़े हैं एवं म.प्र. के **25 करोड़** से अधिक राशि के प्रमुख चैरिटेबल योजनाओं के क्रियान्वयन का भार उन्होंने ही सम्भाला है।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गोनाइजेशन (जीतो) के आखिल भारतीय सचिव के रुप में कई भव्य योजनाओं को सम्पादित किया है जिसमे की मुख्य रुप से आर्थिक सक्षमता, शिक्षा एवं सेवा हैं इन योजनाओं के तहत हजारों लोगों को विगद 12 वर्षो में उधयमिता, रोजगार, उच्च शिक्षा हेतु ऋण एवं स्कॉलरशिप (जिससे 260 से अधिक छात्रों ने यू.पी.एस.सी. एवं 450 छात्रों का राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन हुआ) का लाभ पहुचा हैं जिससे की राष्ट्र निर्माण में सहयोग मिलेगा.

डॉ. भण्डारी द्वारा शुरू किये गए जन हित एवं समाज कल्याण अभियान में उनकी प्रेरणादायी उपस्थित एवं साकारात्मक प्रभाव इस प्रकार का रहा कि हमेशा जनता द्वारा स्वइच्छा से उन्हें महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, साथ ही उनकी छुपी प्रतिभाओं एवं योग्यताओं को सामाज सेवा के श्रेष्ठ कार्य हेतु उपयोग में लाया जा सका। सिर्फ यही नहीं, डॉ. भण्डारी के नेतृत्व में हर योजना को इतना प्रभावशाली एवं नवीन स्वरूप दिया गया कि कम से कम संसाधनों के रहते भी, बड़े से बड़े लक्ष्य में सफलता मिलना संभंव हो पाया।

युवा शक्ति के प्रोत्साहक, डॉ. अनिल भण्डारी एक आम व्यक्ति के समान ही है परंतु उनके कार्य, उनकी सोच एवं मानवता के उत्थान के प्रति समर्पित भावना ने उन्हें एक किंवदंति बना दिया है। वे हैं अपने आप में एक सम्पूर्ण संगठन, एक ऐसी ज्योति जिसने हजारों लोगों के जीवन को प्रकाशमय किया है। डॉ. अनिल भण्डारी निःसंदेह इन्दौर के गौरव एवं शहर के कर्मठ समाजसेवियों में से एक हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

शहर के अन्य कई संगठनों के साथ डॉ. भण्डारी प्रमुख रूप से जुड़े हुए हैं, जिनकी सूची एनेक्शर 'अ' में संलग्न है :

एनेक्शर 'अ'

आजीवन सिनेट मेम्बर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
बोर्ड मेम्बर – ओरियेंटल यूनिवर्सिटी, इन्दौर – भोपाल
एक्ज़ीक्युटिव सेक्रेटरी, इंस्टीट्यूट ऑफ एनर्जी रिसर्च एण्ड प्लानिंग (IERP), इन्दौर
एक्स डायरेक्टर, एम.पी. स्टॉक एक्सचेंज
ट्रस्टी, डॉ. जैन दिवाकर चैरिटेबल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर, रतलाम
ट्रस्टी एवं वाइस चेयरमैन, सेंटर फॉर एनवायरमेंट प्रोटेक्शन रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट (CEPRD)
मैनेजिंग ट्रस्टी, इन्दौर मालवा गुजरात रिलीफ कमिटी
टेज़रर, एम.पी. किडनी फाउंडेशन
प्रेसिडेंट, इन्दौर डेवलपमेंट सोसाइटी
सदस्य – जिला जेविक सम्पदा सरक्षण समीती, म.प्र. शासन
सदस्य – जिला नि:शक्त पुनर्वास केन्द्र प्रबंधन समीती, म.प्र. शासन
ट्रस्टी, प्रेरणा सेवा टस्ट, भोपाल
एडवाइज़र, अभ्यास मण्डल
एडवाइज़र, इन्दौर सोसायटी फॉर मेंटली रिटार्डेड
एडवाइज़र, मानव सेवा संस्थान
वी.पी., समन्वय मानव सेवा टस्ट
इग्ज़ेक्यटिव मेम्बर, डिस्टिक्ट ब्लाइंडनेस कंटोल सोसायटी
चेयरमैन, एम.पी. दृष्टिहिन कल्याण संघ
वाइस चेयरमैन, नेशनल ब्लाइंड एसोसिएशन
एडवाज़र, डिस्टिक्ट ह्युमन राइट कमीशन
मेम्बर, डिस्टिक्ट रोगी कल्याण समिति
मेम्बर, इन्दौर एंटी टोबेको सोसायटी
एक्स-मेम्बर, ऑटोनोमस बॉडी ऑफ गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स कॉलेज
एक्स-मेम्बर, ऑटोनोमस बॉडी ऑफ एम.जी.एम. मेडीकल कॉलेज एण्ड एसोसिएटेड हॉस्पिटल
एक्स-मेम्बर, ऑटोनोमस बॉडी ऑफ गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज
कमिटी मेम्बर, पितृ पर्वत योजना
पेट्रोन, बाल विनय मंदिर फाउंडेशन
मैनेजिंग कमिटी मेम्बर, संस्था एक पेड़ अनेक योजना
संरक्षक–मप्र दृष्टिहीन क्रिकेट संगठन
वॉइस प्रेसिडेंट, म.प्र. बैडमिंटन एसोसिएशन
वॉइस प्रेसिडेंट, इन्दौर डिस्टिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन
मेम्बर, एम.पी. फ्लाइंग क्लब
पेट्रोन, इन्दौर टेनिस ट्रस्ट कॉम्प्लेक्स क्लब
लाइफ मेम्बर, रामकृष्ण मिशन
वॉइस प्रेसिडेंट मेम्बर, इन्दौर डिस्टिक्ट, इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी
एम.सी. मेम्बर, एम.पी. इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी, भोपाल
मेम्बर, इन्दौर के विभिन्न सोश्यल क्लब
एडवाइज़र, मध्य प्रदेश फाउंडेशन, नई दिल्ली
एडवाइज़र, पलक मुच्छाल फाउंडेशन
एक्स-डायरेक्टर एंड सेक्रेटरी, जैन इंटरनेशनल टेड ऑर्गेनाईजेशन (जेआईटीयू), मुम्बई